an>

Title: Need to provide banking facilities to the people of Bastar division in Chhattisgarh.

श्री विक्रम उसेंडी (कांकेर): माननीय अध्यक्ष महोदया, आपने मुझे शून्य काल में बोलने का अवसर दिया है इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं। छत्तीसगढ़ राज्य के बस्तर संभाग में कुल 32 विकास खण्ड हैं। अधिकतर विकास खण्ड मुख्यालयों, जैसे कोइलीबेड़ा विकास खण्ड हो गया और बड़े राजपुर विकास खण्ड मुख्यालयों में, बैंक की सुविधा नहीं होने से आम जनता को 25 किलोमीटर से 30 किलोमीटर दूर दूसरे विकास खण्डों में जाना पड़ता है। लोगों को बैंक में खाता खुलवाना हो, "प्रधानमंत्री जन धन योजना" के लिए खाता खुलवाना हो, कृषि ऋण लेना हो, मनरेगा का भुगतान लेना हो या छात्रों को उच्च शिक्षा ऋण लेना हो, धान का बोनस लेना हो, कर्मचारियों का वेतन आहरण हो, ऐसे बहुत सारे कामों के लिए बैंक नहीं होने से उन्हें दूसरे विकास खण्डों में जाना पड़ता है।

वहां पर 32 विकास खण्ड हैं और अधिकतर विकास खण्ड मुख्यालयों में बैंक की सुविधा नहीं होने से जनता को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। इसलिए वहां पर बैंक की सुविधा उपलब्ध कराई जाए। विकास खण्ड मुख्यालय और तहसील मुख्यालय एक साथ हैं तो उनके साथ ही उप-तहसील मुख्यालयों में भी बैंक की सुविधा होने से, वहां की जनता को उसका सीधा लाभ मिलेगा। चूंकि, वह ट्राइबल एरिया है, उन क्षेत्रों में ज्यादा से ज्यादा बैंकिंग सुविधा होनी चाहिए, जिससे वहां की जनता को ज्यादा लाभ मिले और वे बैंकों से सीधा लाभ ले सकें।

मैं आपके माध्यम से माननीय वित्त मंत्री जी से निवेदन करूंगा कि बस्तर संभाग के अधिकतर विकास खण्ड मुख्यालयों में उनकी व्यवस्था की जाए, जो जनता की हित की दृष्टि से बहुत जरूरी है।